लखनऊ बना शून्य अपशिष्ट वाला शहर

चर्चा में क्यों?

लखनऊ ने शहरी अपशिष्ट प्रबंधन में एक बड़ी उपलब्धि प्राप्त की है। शहर के **शिविरी संयंत्र में 700 मीट्रिक टन ताजे अपशिष्ट की प्रोसेसिंग यूनिट** शुरू की गई है। इसके साथ ही लखनऊ अब प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले 2,000 मीट्रिक टन अपशिष्ट को वैज्ञानिक तरीके से प्रोसेस करता है, जिससे यह एक '**शून्य शुद्ध अपशिष्ट शहर**' **(Zero Net Waste City)** बन गया है।

मुख्य बिंदु

- **शिविरी में विरासती अपशिष्ट उपचार:**
  - वर्ष 2022 में, शिविरी साइट को 18.5 लाख मीट्रिक टन संचित विरासती अपशिष्ट के साथ एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा।
  - इससे निपटने के लिये, **लखनऊ नगर निगम (LMC)** ने 106.18 करोड़ रुपए की सुधार परियोजना शुरू की, जिसमें स्वच्छ भारत मिशन (SBM-I) **के तहत 96.53 करोड़ रुपए का वित्तपोषण** किया गया।
  - यह परियोजना भूमि ग्रीन एनर्जी को सौंपी गई, जिसने मार्च 2024 में कार्य शुरू किया।
- **क्रियाशील चक्रीय अर्थव्यवस्था:**
  - अब तक 12.86 लाख मीट्रिक टन पुराने अपशिष्ट को अपशिष्ट-व्युत्पन्न ईंधन (RDF)**, जैव-मृदा और निर्माण-ग्रेड मलबे में संसाधित किया जा चुका है।**
  - **RDF में प्लास्टिक, कागज़ और वस्त्र जैसे** गैर-पुनर्चक्रणीय सूखा अपशिष्ट शामिल होता है, इसका उच्च कैलोरी मान होता है और इसका उपयोग अपशिष्ट से ऊर्जा परियोजनाओं में **विद्युत उत्पादन** के लिये किया जा सकता है।
  - पुनः प्राप्त की गई 25 एकड़ भूमि को अब हरित क्षेत्रों**, कंपोस्टिंग पैड और नए अपशिष्ट प्रबंधन बुनियादी ढाँचे** के लिये पुनः उपयोग में लाया जा रहा है।
- **पाइपलाइन में अपशिष्ट से ऊर्जा संयंत्र:**
  - निर्माण-स्वामित्व-संचालन अपशिष्ट-से-ऊर्जा (WTE) **संयंत्र के लिये** एक **विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) तैयार** की जा रही है।
  - तब तक, राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम लिमिटेड (NTPC) द्वारा समर्थित मौजूदा शिविरी सुविधा शहर के अंतरिम अपशिष्ट प्रसंस्करण समाधान के रूप में कार्य करेगी।
- **स्वच्छ भारत मिशन (SBM-I):**
  - इसे **2 अक्तूबर, 2014 को पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय तथा आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय** द्वारा लॉन्च किया गया था।
  - इसे ग्रामीण क्षेत्रों के लिये SBM-ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों के लिये SBM-शहरी में भी विभाजित किया गया।
- **उद्देश्य:**
  - इसका उद्देश्य व्यक्तिगत और सामुदायिक शौचालयों का निर्माण करके तथा स्कूलों और आँगनवाड़ी शौचालयों में अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों को लागू करके भारत को खुले में शौच मुक्त (ODF) बनाना था।
  - किसी क्षेत्र को **खुले में शौच से मुक्त (ODF) घोषित किया जा सकता है** यदि दिन के किसी भी समय वहाँ एक भी व्यक्ति खुले में शौच करते हुए न पाया जाए।
- **SBM शहरी 2.0:**
  - इसका उद्देश्य सामग्री पुनर्प्राप्ति सुविधाएँ, अपशिष्ट से ऊर्जा बनाने वाले संयंत्र और पुनर्चक्रण इकाइयाँ स्थापित करके **"अपशिष्ट मुक्त शहर"** बनाना है, जिससे शहरी क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण क्षमता में लगभग 1.06 लाख टन प्रतिदिन (TPD) की उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

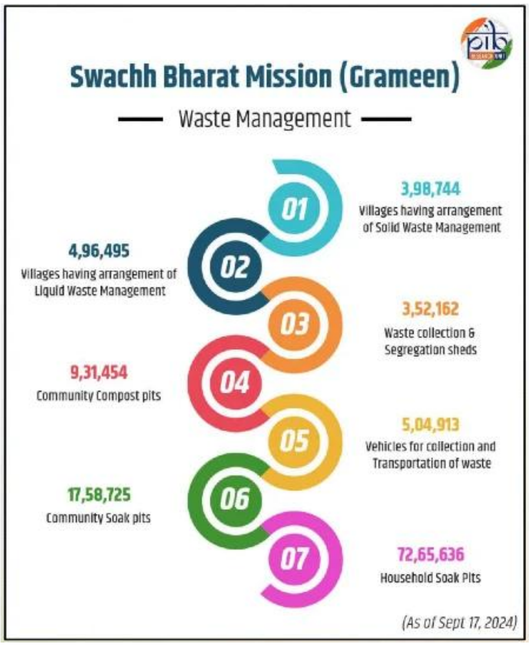

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/lucknow-becomes-zero-net-waste-city